२०. हमारा सामूहिक जीवन

बताओ तो

* ऊपर के दोनों चित्रों में तुम्हें कौन-सा अंतर दिखाई देता है ?
* तुम्हें किसका साथ अच्छा लगता है ?
* तुम यह कैसे निर्धारित करते हो कि कौन-सा खेल खेलना है ?

हमको एक-दूसरे के साथ रहना अच्छा लगता है । घर में हम अपने माता-पिता के साथ रहते हैं। हमारे साथ हमारे पड़ोसी भी होते हैं । यदि साथी-सहेली नहीं मिलते हैं तो हमें अच्छा नहीं लगता और तो और यदि हमारी मनी बिल्ली और हमारा कुत्ता मोती थोड़ी भी देर तक दिखाई न दें, तो हम उदास हो जाते हैं । मनुष्य को समूह में रहना अच्छा लगता है । अपने परिवार, पड़ोसियों और आस-पास के लोगों के साथ-साथ रहने का अर्थ समूह में रहना है ।

लड़के-लड़कियों के समूह में बोलने वाली लड़की ।

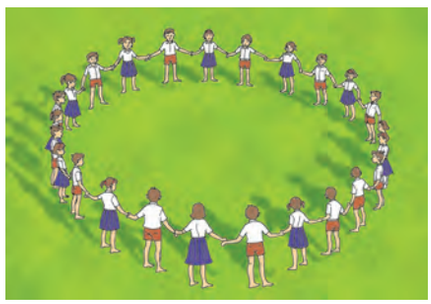

लड़के-लड़कियाँ हाथ में हाथ डालकर खड़े हैं ।

साइकिल से गिरे लड़के की सहायता करते हुए ।

परस्परावलंबी सामूहिक जीवन

हम सब लोगों को सामूहिक जीवन की आवश्यकता होती है । यदि हमारे आस-पास मित्र या सहेली तथा अन्य लोग न हों तो हम किससे बातें करेंगे ? हम अपने सुख-दुख, समस्याओं-बाधाओं को किसको बताएँगे ?

समूह में हमें साथ मिलता है । किसी के साथ होने से हमें सुरक्षा मिलती है । हम एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं । एक-दूसरे की सहायता करने का अर्थ आपसी सहयोग है । समूह में रहने से हमें अन्य लोगों की सहायता मिलती है । परस्पर सहयोग ही सामूहिक जीवन का सबसे बड़ा लाभ है । ऐसा सहयोग निर्मित होने के लिए नियमों की आवश्यकता होती है ।

थोड़ा सोचो

किसान न होते तो...	**पाठशालाएँ न होतीं तो...**	**अस्पताल न होते तो...**	**कूड़े का ढेर वैसा ही पड़ा रहता तो...**

समूह द्‌वारा हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है । समूह में रहकर हम शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा की आपूर्ति जैसी सुविधाओं का निर्माण कर सकते हैं । आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए वस्तुएँ निर्मित करनी पड़ती हैं । इसे हम वस्तुओं का उत्पादन कहते हैं । उन वस्तुओं को हम तक लाकर पहुँचाने की क्रिया को सेवा कहते हैं । आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए उत्पादन और सेवा दोनों आवश्यक हैं । ये दोनों बातें बहुत-से लोगों के सहभाग द्‌वारा ही प्राप्त होती हैं । अकेला एक व्यक्ति सभी वस्तुओं का उत्पादन नहीं कर सकता । सभी प्रकार की सेवाएँ भी नहीं दे सकता । वास्तव में हमारा सामूहिक जीवन परस्परावलंबी होता है ।

सामूहिक जीवन के लिए नियमावली

सामूहिक जीवन नियमित तथा सुचारु रूप से चलने के लिए नियमों की आवश्यकता होती है । हम एक-दूसरे के साथ अनेक प्रकार के व्यवहार करते हैं । ये व्यवहार व्यवस्थित रूप में होने के लिए हमें कुछ बंधनों का पालन करना पड़ता है । इन बंधनों को ही नियम कहते हैं । नियमों का पालन करने से सामूहिक जीवन में अनुशासन पैदा होता है ।

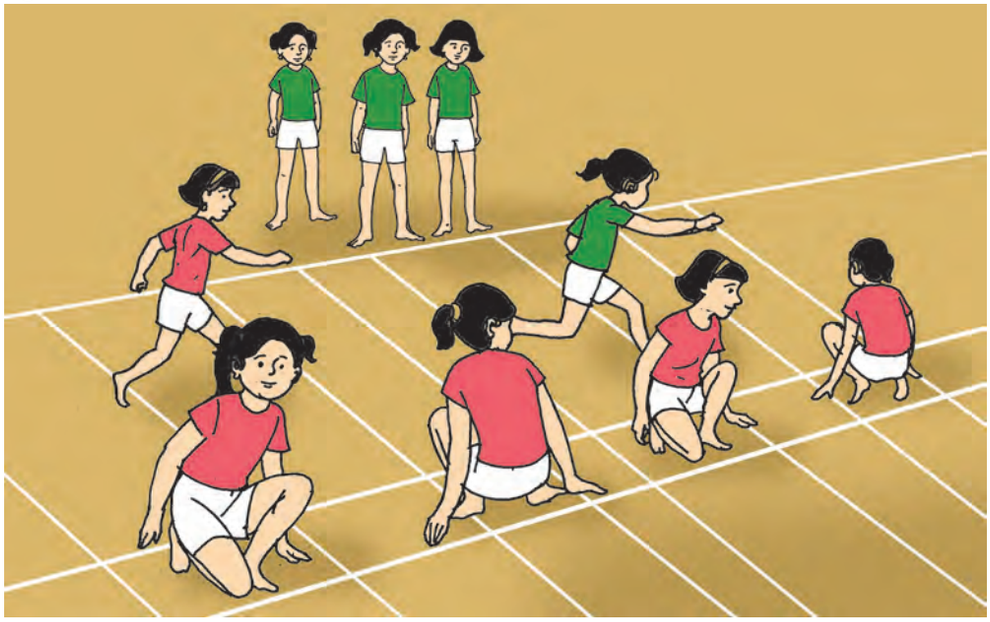

खो-खो खेलतीं लड़कियाँ

बताओ तो

* खेल के नियमों का निर्धारण क्यों किया जाता है ?
* नियमानुसार खेलने से कौन-से लाभ प्राप्त होते हैं ?
* सामूहिक खेल में सबसे महत्त्वपूर्ण बात कौन-सी है ?

कोई भी खेल खेलने से पहले खेल के नियम समझ लेने चाहिए । खेल के नियम सभी खिलाड़ियों के लिए समान ही होने चाहिए । सभी खिलाड़ियों को खेल के नियमों का पालन करना चाहिए । इससे खेल सुचारु रूप से खेला जाता है । ठीक इसी प्रकार सामूहिक जीवन को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए हमें नियमों का पालन करना चाहिए ।

नीचे दिए गए कथनों में से सामूहिक जीवन के लिए आवश्यक नियम ज्ञात करो । उनके सामने वाली चौखटों में सही नियमों के आगे ? ऐसा चिह्न बनाओ :

* कतार तोड़कर बस में चढ़ना चाहिए । ☐
* जेब्रा क्रॉसिंग पर चलकर सड़क पार करनी चाहिए । ☐
* अचानक कष्ट होने पर तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाना चाहिए । ☐
* नल की टोंटी से पानी टपक रहा हो तो ग्राम पंचायत या स्थानीय संस्था को सूचना देनी चाहिए। ☐
* सही टिकट लिए बिना कभी भी यात्रा नहीं करनी चाहिए । ☐

क्या करना चाहिए

नियमों के होने से झगड़े कम होते हैं । भेदभाव की संभावना कम होती है। तुम्हें क्या लगता है ?

इसे सदैव ध्यान में रखो

"एक-एक के बनो सहायक, सदा चलो सुपंथ"
– संत तुकाराम

हमने क्या सीखा

* मनुष्य को समूह में रहना अच्छा लगता है ।
* पारस्परिक सहयोग यह सामूहिक जीवन का सबसे बड़ा लाभ है ।
* समूह द्वारा हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है ।
* सामूहिक जीवन नियमित रूप से चलने के लिए नियमावली की आवश्यकता होती है ।
* खेल द्वारा हममें आपसी सहयोग और एकजुट होने के गुण उत्पन्न होते हैं ।
* खेलों द्वारा हमारा स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है ।

स्वाध्याय

(अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखो :

(१) घर में हम किसके साथ रहते हैं ?

(२) हम स्वयं को सुरक्षित कब मानते हैं ?

(३) हमें नियमों का पालन क्यों करना चाहिए ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

(१) मनुष्य को ..... रहना अच्छा लगता है ।

(२) समूह में रहने पर हमें ..... मिलती है ।

(३) हमारा सामूहिक जीवन ऐसा ..... होता है ।

(इ) समूह 'अ' तथा समूह 'ब' की सही जोड़ियाँ मिलाओ :

समूह 'अ'	समूह 'ब'
(अ) एक-दूसरे की सहायता करने	(१) नियमावली की आवश्यकता होती है ।
(आ) सामूहिक जीवन नियमित रूप से चलने के लिए	(२) का अर्थ सहयोग है ।
(इ) खेल के नियम सब के लिए	(३) नियम कहते हैं ।
	(४) समान होते हैं ।

उपक्रम

(१) क्रिकेट के खेल के लिए नियमों की सूची तैयार करो ।

(२) यातायात के लिए नियमों की सूची बनाओ ।

(३) पाठशाला में तुम कुछ नियमों का पालन करते हो । इसी प्रकार घर पर किन नियमों का पालन करते हो, इस विषय पर पाँच पंक्तियाँ लिखो ।

***